Childhood & Growing up.

UNIT- III

> अधिगम का अर्थ और परिभाषा -

अधिगम का तात्पर्य एक ऐसी प्रक्रिया से है। जिसके अंतर्गत व्यक्ति के व्यवहार में अनुभव, अभ्यास, प्रशिक्षण के अंतर्गत उसके अंदर परिवर्तन इंगित होते हैं। प्रत्येक प्राणी अपने जीवन में कुछ न कुछ सीखता है। जिस व्यक्ति में सीखने की जितनी अधिक शक्ति होती है उतना ही अधिक उसके जीवन का विकास होता है। बालक प्रत्येक समय और प्रत्येक किसी स्थान पर कुछ न कुछ सीखता रहता है।
स्किनर के अनुसार सीखना व्यवहार में उत्तरोत्तर सामंजस्य की प्रक्रिया है।
गिलफोर्ड के अनुसार व्यवहार के कारण व्यवहार में परिवर्तन ही सीखना है।
क्रो एवं क्रो के अनुसार आदतों ज्ञान तथा अभिवृत्तियों का अर्जन ही अधिगम है।

> अधिगम के सिद्धांत -

अधिगम के सिद्धांत को मुख्य रूप से 2 भागों में बांटा गया है -
i) अधिगम में संबंधवादी या साहचर्य सिद्धांत
ii) अधिगम के ज्ञानात्मक क्षेत्र सिद्धांत

i) अधिगम के संबंधवादी या साहचर्य सिद्धांत -

अधिगम के संबंधवादी सिद्धांत के अन्तर्गत ऐसे सिद्धांत आते हैं। जिनमें क्रिया के दौरान उद्दीपक और अनुक्रिया के मध्य एक प्रकार का संबंध स्थापित होता है। जिसके कारण उद्दीपक के उपस्थित होते ही अनुक्रिया होने लगती है।
उदाहरण - भोजन को देखकर लार आना, प्रकाश पड़ते ही पलक झपकना।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

इस प्रकार के सिद्धांत में निम्नलिखित सिद्धांत आते हैं-

1. थार्नडाइक का संबंधवादी सिद्धांत
2. पावलव का क्लासिकल अनुबंधन सिद्धांत
3. स्किनर का क्रिया प्रसूत अनुबंधन सिद्धांत
4. हल का प्रबलन सिद्धांत
5. गुथरी का समीपता अनुबंधन सिद्धांत

2) अधिगम का ज्ञानात्मक क्षेत्र सिद्धांत -

इस सिद्धांत के अनुसार सीखने की प्रक्रिया में उद्दीपक तथा अनुप्रक्रिया के मध्य केवल प्रत्यक्ष संबंध स्थापित नहीं होता। बल्कि इन दोनों के मध्य व्यक्ति की व्यक्तिगत इच्छाएँ, क्षमता, अभिरुचि आदि अनेक क्रियाएँ हैं। जो अधिगम को प्रभावित करती हैं।

इस सिद्धांत के अंतर्गत निम्नलिखित सिद्धांत आते हैं:-

1. गेस्टालटवादियों का अंतर्दृष्टि सूझ का सिद्धांत
2. टालमैन सिद्धांत
3. लेविन का क्षेत्र सिद्धांत
4. बंडूरा का अधिगम सिद्धांत
5. मास्लो मानवतावादी अधिगम सिद्धांत

> अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक-

> अधिगम के प्रकार -

1.
2. उद्दीपक अनुक्रिया अधिगम
3. श्रृंखला अधिगम
4. शाब्दिक साहचर्य अधिगम
5. विभेदात्मक अधिगम
6. सम्प्रत्यय अधिगम
7. सिद्धांत अधिगम
8. समस्या समाधान अधिगम

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

> व्यवहारवादी :-

थार्नडाइक हल, जे.पी. वाटसन, स्किनर

What, Why, How - पर बल दिया गया है।

> प्रयास व भूल का सिद्धान्त (थार्नडाइक)

सीखना सम्बन्ध स्थापित करना है तथा सम्बन्ध स्थापना का कार्य मस्तिष्क करता है। उसके अनुसार मनुष्य और पशु दोनों प्रयास और भूल द्वारा बहुत कुछ सीख लेते है। प्रयास जैसे - 2 बढ़ता जाता है भूले वैसे - वैसे कम होती जाती है। अत: मनुष्य अपनी भूलों से ही सीखता है। अत: हम अपनी भूलो से बहुत कुछ सीखता है।

> प्रयास व भूल के सिद्धान्त की विशेषताएँ :-
1) अधिगम ही सयोजन है -
2) सयोजन का सिद्धान्त -
3) सम्पूर्ण इकाई नही -

> ~~विभिन्न मनोवैज्ञानिको द्वारा किये गए प्रयोग :-~~

> थार्नडाइक का सिद्धान्त :-

इस सिद्धान्त का प्रतिपादन थार्नडाइक ने 1898 में किया था। उसके अनुसार मानव और जानवरो कि सीखने की प्रक्रिया बहुत सीमा तक प्रयास व भूल पर निर्भर करती है। उसको पशु - मनोवैज्ञानिक भी कहते है।

1) प्रयत्न एवं भूल का सिद्धांत
2) सम्बन्धवाद का सिद्धांत
3) उद्दीपक अनुक्रिया सिद्धांत (SR Theory)
4) सयोजनवाद का सिद्धान्त (Bond theory)

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

उदाहरण - भूखी बिल्ली का प्रयोग
बिल्ली, मुर्गा, चूहे का प्रयोग किया था। इसलिए इन्हे पशु-मनोवैज्ञानिक का सिद्धांत कहा जाता है।

1) अधिगम प्रक्रिया में शारीरिक व मानसिक क्रियाओं के मध्य सम्बन्ध होना आवश्यक है।
2) कोई सजीव उद्दीपक एवं अनुक्रिया में जितना अधिक सम्बन्ध स्थापित करेगा अधिगम उतना ही अधिक शीघ्रता से सीख जाएगा।
3) अधिगम का आधार उद्दीपक अनुक्रिया से सम्बन्ध होता है।
4) अधिगम के लिए किए गए प्रयास के लिए अधिगम के साथ-2 गलतियाँ कम होती है।

- सीखने की प्रक्रिया सरल हो जाती है।
- करके सीखने पर बल देता है।
- मंद बुद्धि बालकों के लिए उपयोगी होती है।
- भाषा में शुद्ध उच्चारण इसी से सीखा जाता है।
- अनुभव से लाभ उठाने की क्षमता होती है।
- धैर्य व परिश्रम के गुणों का विकास होता है।
- चलना, साइकिल चलाना, गणित के प्रश्नों को हल करना, कला बनाना इस सिद्धान्त का महत्व है।
- दैनिक जीवन के कार्यों में इसका प्रयोग बहुत अधिक किया जाता है।

> प्रयास और भूल द्वारा सीखने के आवश्यक तत्व :-
1. अभिप्रेरणा -
2. बाधा -

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

3. निरर्थक अनुक्रियाएँ -
4. व्यर्थ अनुक्रियाओं को दूर करना -
5. आकस्मिक सफलता -
6. चयन -
7. स्थिरता -

> सीखने के नियम :-
1. प्रमुख नियम   2. गौण नियम

1. प्रमुख नियम -   5) बहुखंड-बुद्धि का सिद्धान्त
दिया - थार्नडाइक
a) तत्परता का नियम -
• ध्यान रुचि पैदा करना -   1.6) बहुखंड का सिद्धान्त - थार्नडाइक
• जिज्ञासा पैदा करना -
• विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करना -
• नवीन ज्ञान के लिए तैयार करना -
• जबरदस्ती कार्य नहीं -
• निहित योग्यताओं का पता लगाना -

b) प्रभाव का नियम -
• उचित मनोभावों का विकास -
• रुचि का सम्बन्ध -
• स्मरण शक्ति का सम्बन्ध -
• अच्छी आदतों का निर्माण -
• क्रोध तथा ईर्ष्या के संवेग -
• पुरस्कार और दंड के सिद्धान्त की निर्भरता -
• कदाचारी व्यवहार का सुधार -

c) अभ्यास का नियम -
→• उपयोग का नियम -
→• अनुपयोग का नियम -
• मौखिक अभ्यास -
• दोहराना -
• वाद-विवाद -

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

. आदतों का निर्माण -
. बुरी आदतों का समापन -
. लिखाई में सुधार -
. शुद्ध उच्चारण -
. विस्मृति कम करना -
. कौशलों एवं कलाओं का विकास -

2. गौण नियम -
a) बहुविध अनुक्रिया का नियम -
b) रूझान या मनोवृत्ति का नियम -
c) आंशिक क्रिया का नियम -
d) सादृश्यता द्वारा अनुक्रिया -
e) साहचर्य परिवर्तन का नियम -
f) नवीनतम का नियम -
g) प्राथमिकता का नियम -
h) स्वामित्व का नियम -
i) उत्तेजक की तीव्रता का नियम -

1) थार्नडाइक निवासी था - अमेरिका
2) प्रयोग किया - बिल्ली पर
3) सिद्धान्त - उद्दीपक अनुक्रिया सिद्धांत
4) S-R Theory b होता है।
5) थार्नडाइक का सिद्धान्त - संबंधवाद के अंतर्गत आता है।
6) थॉर्नडाइक के प्रयत्न एवं त्रुटि सिद्धान्तों पर विशेष बल नहीं दिया गया - समझ पर
7) थॉर्नडाइक ने नियम दिए - प्रभाव का नियम, अभ्यास का नियम, तत्परता का नियम
8) सीखने के उद्दीपक - अनुक्रिया सिद्धान्त के मुख्य प्रतिपादक है - थार्नडाइक
9) थार्नडाइक द्वारा प्रतिपादित सीखने के मुख्य नियम है - तीन

> प्रयास और भूल सिद्धान्त की शैक्षिक उपयोगिता / प्रभाव :-
1. प्रेरणा का महत्व
2. सरल से कठिन
3. कौशलों का विकास
4. काम करके सीखना
5. वैज्ञानिक आधार
6. सुझबूझ द्वारा सीखना
7. अभ्यास द्वारा सीखना
8. लक्ष्य केन्द्रित
9. अच्छी आदतों का विकास
10. स्वः अधिगम
11. मंदबुद्धि बालकों के लिये लाभकारी
12. अनियमित गति

10) सीखने के नियमों का प्रतिपादन किया - थार्नडाइक
11) R-R एवं R-S संबंध दोनो विद्यमान हैं - थार्नडाइक के सिद्धांतों में
12) बुद्धि का बहुकारक सिद्धान्त दिया - थॉर्नडाइक
13) मंदबुद्धि बालकों के लिए उपयोगी सिद्धांत है - थार्नडाइक के सिद्धान्त
14) संयोजनवाद सिद्धांत - थार्नडाइक

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Unit - III rd.

अधिगम

> अधिगम का अर्थ :-

> अधिगम की परिभाषा :-

अधिगम के प्रकार

सीखने वाले के प्रकार के अनुसार

a₁ = जानवरों द्वारा अधिगम

a₂ = मानव द्वारा अधिगम

शरीर के अंगों की संभागिता के अनुसार

b₁ = गत्यात्मक अधिगम
संवेदन गति /
• प्रत्यक्षात्मक गत्यात्मक

b₂ = विशेषात्मक अधिगम
- प्रत्यक्षात्मक
- स्वप्रत्यक्षात्मक
- साहचर्यात्मक
- काल्पनिक

अधिगम व्यवहार के विभिन्न पक्षों के अनुसार

c₁ = ज्ञानात्मक अधिगम

c₂ = भावात्मक अधिगम [illegible]

c₃ = कौशलों द्वारा सीखना

कुछ अन्य प्रकार

d₁ = बौद्धिक

d₂ = प्रतिक्रियात्मक [illegible]

d₃ = अनुकरणात्मक [illegible]

d₄ = समस्या समाधान

d₅ = प्रत्ययात्मक [illegible]

d₆ = सामाजिक

d₇ = सैद्धान्तिक [illegible]

d₈ = एकीकृत [illegible]

Childhood & Growing up:

> - पैवलव का प्राचीन अनुबन्ध सिद्धान्त -

पैवलव का प्राचीन अनुबन्ध सिद्धान्त के अन्य नाम -
अनुकूलित अनुक्रिया का सिद्धान्त
पैवलव का classical अनुबन्धन का सिद्धान्त
आदर्शीय अनुबन्धन का सिद्धान्त
सहज संबंध संबद्ध का सिद्धान्त

पैवलव का प्राचीन अनुबन्धन का सिद्धांत 1904 में रूसी वैज्ञानिक एवं शिक्षाशास्त्री इवान पी. पॉवलाव में किया था। इसके अनुसार अधिगम की क्रिया अनुक्रिया से प्रभावित होती है। पॉवलव ने कुत्ते पर अपना प्रयोग किया। पॉवलव को नोबल पुरस्कार भी दिया गया था।

पॉवलव ने अनुबंधित अनुक्रिया के अपने सिद्धांत को समझाने के लिए कुत्ते के ऊपर प्रयोग किया। उन्होंने कुत्ते की लार ग्रन्थि का ऑपरेशन किया और कुत्ते के मुँह से लार एकत्रित करने के लिए एक नली के माध्यम से उसे काचं के जार से जोड़ दिया। इस प्रयोग की प्रक्रिया को निम्न तीन चरणों में समझा जा सकता है -

1) सर्वप्रथम पॉवलव ने कुत्ते को भोजन दिया, जिसे देखकर उसके मुँह में लार आ गई। उन्होंने बताया की भोजन को देखकर कुत्ते के मुँह में लार आना स्वाभाविक क्रिया है। स्वाभाविक क्रिया को सहज क्रिया भी कहा जाता है। भोजन एक प्राकृतिक उद्दीपक है।
2) दूसरे चरण में पॉवलव ने कुत्ते को घंटी बजाकर भोजन दिया। भोजन को देखकर कुत्ते के मुँह में फिर से लार आना स्वाभाविक है। घंटी बजना एक कृत्रिम उद्दीपक है।
3) पॉवलव ने कुत्ते पर अपने प्रयोग को बार-2 दोहराया। तीसरे चरण में उन्होंने कुत्ते को भोजन न देकर घंटी बजाई। घंटी की आवाज सुनते

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

ही लार आ गई। इस प्रकार अस्वाभाविक या कृत्रिम उद्दीपक से भी स्वाभाविक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

> अनुबंधित अनुक्रिया की विशेषताएँ :-
4 points in book.

> शैक्षिक उपयोगिता :-
1) भ्रमों को दूर करना
2) सभ्यता एवं संस्कृति की उन्नति में सहायक
3) समायोजन में सहायक
4) अच्छी आदतों का विकास
5) बुरी आदतों को समाप्त करना
6) भाषा सीखने में सहायक
7) दृश्य-श्रव्य सामग्री का प्रयोग
8) दंड एवं पुरस्कार का सिद्धान्त
9) भय, प्रेम और घृणा का विकास
10) प्रभावशाली अधिगम के लिए
11) अनुशासन में सहायक
12) अभिवृत्तियों का विकास
13) अभिप्रेरणा
14) संवेगात्मक एकता में सहायक

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

सीखने का अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त
(गेस्टाल्ट वादियों का सिद्धान्त)

कोहलर का अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त
प्रतिपादक - वरदीमर, कॉफ्का, कोहलर

सूझ
(Inside Theory)

कोहलर - प्रयोग कर्ता
वरदीमर - नींव रखी थी
कॉफ्का - सहयोग कर्ता

इसी संज्ञानात्मक सीद्धान्त का क्षेत्र भी कहा जाता है क्योंकि इसमें संज्ञान और प्रत्यक्षीकरण पर जोर दिया गया है।

- गेस्टाल्ट शब्द का अर्थ है - सम्पूर्ण, पूर्णाकार, समग्र
गेस्टाल्ट → जर्मनी भाषा का शब्द है।

कोई भी चीज सीखनी है तो पूरी स्थिति का जायजा लिया जाता है। गेस्टाल्ट psychology ने अपनी बुक लिखी गेस्टाल्ट साइकलोजी 1961 में लिखी।

- Inside (सूझ) - अचानक उत्पन्न होने वाले विचार जो समस्या का समाधान कर दें।

1) इसका प्रयोग → पाठ्यक्रम के निर्माण में सहायक है।
2) शिक्षण सूत्र → पूर्ण से अंश की ओर।
3) समस्या को पूर्ण रूप से प्रस्तुतीकरण करना → कठिन विषय के लिए सहायक होती है।

ड्रेवर के अनुसार " लक्ष्य प्राप्ति में सहायक है "।

सीखना - प्रयास व त्रुटि की जगह सूझ पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है।

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

> अन्तर्दृष्टि शिक्षण से सम्बन्धित प्रयोग -

कोहलर ने 1913 से 1917 तक बर्लिन विश्वविद्यालय में एक चिम्पैन्जी पर प्रयोग किए जिसका नाम था - सुल्तान

> प्रयोग 1 :-

प्रयोग 1 में कोहलर ने वनमानुष को भूखा रखकर एक बड़े पिंजरे में बन्द कर दिया। इस पिंजरे की छत से केले इतनी ऊँचाई पर लटका दिये कि वनमानुष जमीन पर खड़े होकर उन्हें नहीं पकड़ सकता था। उसी पिंजरे में एक ओर लकड़ी के दो बॉक्स रखे हुए थे। केले को प्राप्त करने के लिए वनमानुष जमीन से खड़े होकर उनको पकड़ने की कोशिश में असफल हो गया।

> प्रयोग 2 :-

अब पिंजरे में दो छड़ियाँ रखी हुई थी। जिसमें एक लकड़ी मोटी और दूसरी पतली थी। केले पिंजरे के बाहर रखी थी।

> प्रयोग 3 :-

अब केले छत पर लटके थे। पिंजरे के कोने में लकड़ी का एक बक्सा रखा था। बॉक्स पर खड़े होकर उसने केले प्राप्त किये।

> प्रयोग 4 :-

केले को छत पर लटका दिया। अब पिंजरे में दो बक्से रखे थे। बक्से पर खड़े होकर केले प्राप्त किए।

> प्रयोग 5 :-

कोहलर ने 15 मास की लड़की पर भी प्रयोग किया। इस लड़की ने कुछ देर पहले ही चलना सीखा था। इस लड़की

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

से करीब दो मीटर दूर एक खिलौना रख दिया। दूसरी ओर एक बाधा उत्पन्न कर दी।

> **विशेषताएँ :-**

१. एकल प्रयास के द्वारा सीखना।
२. अन्तर्दृष्टि में चिन्तन का महत्व या उपयोगिता।
३. समस्या का पूर्ण रूप से प्रत्यक्षीकरण करना।
४. अन्तर्दृष्टि या सूझ उच्च श्रेणी के जीवों में सम्भव
५. विभिन्न तत्वों का सम्मिश्रण
६. आयु का प्रभाव

> **अन्तर्दृष्टि के भाग :-**

१. अग्रदृष्टि
२. पश्चदृष्टि

> **सीखने या अधिगम के नियम :-**

१. संरचना का नियम
२. समरूपता का नियम
३. समीपता का नियम
४. समाप्ति का नियम
५. निरन्तरता का नियम

> **मूल तत्व :-**

१. सम्पूर्ण इकाई का बोध
२. स्पष्ट लक्ष्य
३. सामान्यीकरण की शक्ति
४. समाधान का अचानक सूझना।
५. वस्तुओं का नया रूप
६. स्थानान्तरण
७. व्यवहार में परिवर्तन

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

> उपयोगिता :-

1. अन्तर्दृष्टि का विकास
2. एकीकृत पाठ्यक्रम
3. कल्पना, तर्क एवं चिन्तन के विकास में सहायक
4. एकल क्रिया पर निष्कर्ष नहीं
5. सीखने में गतिशीलता
6. सूझ द्वारा सीखने हेतु सफलता के लिए अध्यापक की सहायता
7. विषयों और अनुभवों में सम्बद्ध
8. पूर्ण अंशों का योग नहीं
9. पूर्व - अनुभवों पर आश्रित
10. अभिप्रेरणा
11. कठिन विषयों के लिए उपयोगी
12. आकांक्षा स्तर
13. पूर्ण समग्र
14. वातावरण
15. बालक सम्पूर्ण रूप में
16. लक्ष्यों का निर्धारण
17. बुद्धि का उपयोग
18. वैज्ञानिक खोजों के लिए लाभकारी
19. अधिगम स्थानान्तरण पर बल

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner